वे केवल आश्वासन दे रहे हैं। मैं जानना चाहता हूं कि इस मामले में देरी क्यों की जा रही है क्योंकि उत्तर प्रदेश में लाखों रुपये की किताबें इस में विलम्ब होने के कारण बरबाद हो रही हैं, और बम्बई सरकार ने भी संशोधित लिपि का विरोध किया है।

डा० का० ला० श्रीमाली इस की जिम्मेदारी तो यू० पी० गवर्नमेंट की ही है क्योंकि उन्होंने ही फैसला कर के उस निर्णय को बदल दिया। इस कांफ्रेंस में उत्तर प्रदेश के शिक्षा मंत्री का होना आवश्यक था और पिछली बार जिस तारीख की रखने का प्रस्ताव था वह उन के लिये सुविधाजनक नहीं थी। अब हम जल्दी ही किसी तारीख को निश्चित करने की कोशिश करेंगे। और मैं आशा करता हूं कि दो तीन महीनों में वह कांफ्रेंस बुलाई जा सकेगी।

श्री ब्रजराज सिंह: यह जो शिक्षा मंत्रियों का सम्मेलन होने वाला है उस में शिक्षा मंत्रियों के अतिरिक्त जो देश के हिन्दी लिपि विशेषज्ञ हैं, चाहे वे दक्षिण के हों चाहे उत्तर के, उन को भी बुलाने का प्रयत्न किया जायेगा, और सरकारों के अतिरिक्त जो दूसरे व्यक्ति इस से सम्बन्धित हो सकते हैं उन की राय भी इस सम्बन्ध में मांगी जायेगी?

डा० का० ला० श्रीमाली जी हां, इस पर भी विचार किया जायेगा।

अध्यक्ष महोदय सब बातों पर विचार होगा।

Shri Bhakt Darshan rose—

Mr Speaker: All this will be taken note of. If any hon. Member has got any suggestions to make, he may kindly send them on to the Minister of Education, and he will place them before the Education Ministers' Conference.

Dr. K. L. Shrimali: Yes

लद्दाख के अभिलेखागार में दुर्लभ हस्तलिखितियां

*४८३. श्री भक्त दर्शन क्या शिक्षा मंत्री १५ दिसम्बर, १९५८ के अतारांकित प्रश्न संख्या १५६७ के उत्तर के सम्बन्ध में यह बताने की कृपा करेंगे कि लेह्लाख (काश्मीर) के अभिलेखागार के दुर्लभ हस्तलिखित ग्रंथों के संरक्षण व प्रकाशन के प्रश्न के बारे में इस बीच क्या प्रगति हुई है?

शिक्षा मंत्री (डा० का० ला० श्रीमाली) जम्मू और काश्मीर सरकार से प्राप्त सूचना के अनुसार, लेह् में पाये गये अभिलेख डोगरा शासन-काल के हैं। ये अभिलेख कितने बड़े हैं, किस हालत में हैं और इनका ऐतिहासिक मूल्य क्या है इसका निर्धारण तभी हो सकता है जब इन्हें ठीक प्रकार से जांच कर व्यवस्थित रूप दे दिया जाये। जम्मू और काश्मीर सरकार इस ओर ध्यान दे ही रही है।

मैं इतना और निवेदन करना चाहता हूं कि हम ने जम्मू और कश्मीर की सरकार के प्राइम मिनिस्टर को लिखा है और इस सम्बन्ध में उन के उत्तर की अपेक्षा है।

Some Hon. Members: May we have the reply in English also?

Dr. K. L. Shrimali: According to information received from the Government of Jammu and Kashmir, the records found at Leh date back to Dogra regime. Their historical value, bulk and state of preservation can be assessed after these are properly examined and arranged. The matter is receiving attention of the Jammu and Kashmir Government.

I would further like to add that I have personally written to the Prime Minister of Jammu and Kashmir, and I am awaiting his reply in this matter

श्री भक्त दर्शन : माननीय मंत्री जी के उत्तर से यह प्रतीत होता है कि उन्होंने जम्मू और कश्मीर सरकार को इस सम्बन्ध में लिखा है । तो क्या भारत सरकार स्वयं इस सम्बन्ध में कोई कार्रवाई नहीं करना चाहती ?

डा० का० ला० श्रीमाली : यही कार्यवाई हम ने की है । जम्मू और काश्मीर की सरकार को लिखा है और उस के उत्तर की प्रतीक्षा की जा रही है ।

श्री अ० मु० तारिक : मैं वजीर तालीम से यह जानना चाहता हूं कि जितनी पुरानी किताबें हैं, साबिक वजीर तालीम मौलाना आजाद साहब ने उन के सिलसिले में क्या जम्मू कश्मीर गवर्नमेंट के साथ कुछ फैसले किये थे ? और क्या उस में यह भी फैसला हुआ था कि मिनिस्ट्री का कोई आला अफसर उन किताबों को देखने के लिये कश्मीर आयेगा ? इस सिलसिले में वजीरे तालीम ने क्या अकदाम उठाये हैं ?

(میں وزیر تعلیم سے یہ جاننا چاھتا ھوں کہ جتنی پرانی کتابیں ھیں - سابق وزیر تعلیم مولانا آزاد صاحب نے ان کے سلسلہ میں کیا جو کاشمیر گورنمنٹ کے ساتھ کچھہ فیصلے کئے تھے - اور کیا اس میں یہ بھی فیصلہ ھوا تھا کہ منسٹری کا کوئی عالی افسران کتابوں کو دیکھنے کے لئے جائے گا - اس سلسلہ میں وزیر تعلیم نے کیا اقدام اٹھائے ھیں -)

Dr. K. L. Shrimali: This is a wider question which does not arise directly out of the main question. If the hon. Member would give me notice, I shall answer that question.

Shri A. M. Tariq: This is a question regarding records found at Ladakh.

श्री अ० मु० तारिक : जो किताबें लद्दाख में पाई गई हैं उन के सिलसिले में क्या साबिक वजीर तालीम ने कोई फैसला किया था और क्या जम्मू कश्मीर गवर्नमेंट से यह वादा किया था कि कोई आला अफसर लद्दाख जायगा उन को देखने के लिये ? मैं जानना चाहता हूं कि इस सिलसिले में क्या अकदाम उठाये गये ।

(جو کتابیں لداخ میں پائی گئی ھیں ان کے سلسلے میں کیا سابق وزیر تعلیم نے کوئی فیصلہ کیا تھا اور کیا جو کشمیر گورنمنٹ سے یہ وعدہ کیا تھا کہ کوئی عالی افسر لداخ جائیگا ان کو دیکھنے کے لئے - میں جاننا چاھتا ھوں کہ اس سلسلہ میں کیا اقدام اٹھائے گئے -)

डा० का० ला० श्रीमाली : इस के लिये नोटिस चाहिये ।

श्री भक्त दर्शन : मैं यह जानना चाहता हू कि क्या उन पुस्तकों को भारत में ला कर कोई छान बीन की जायगी या भारत से ही कोई विद्वान भेज कर उन की जांच पड़ताल की जायगी ?

डा० का० ला० श्रीमाली : मैं ने जम्मू कश्मीर के प्राइम मिनिस्टर को पत्र लिखा है और उन का उत्तर आने पर फिर इस मामले पर विचार किया जायेगा ।

National Library, Calcutta

\+

*484. { Shri Sarju Pandey:
Shri D. C. Sharma:

Will the Minister of Scientific Research and Cultural Affairs be pleased to refer to the reply given to Starred Question No. 187 on the 24th November, 1958 and state:

(a) the progress since made in the construction of an Annexe to the National Library, Calcutta;